जनसंचार के विभिन्न माध्यम-एक सामाजिक अध्ययन

मनीषा द्विवेदी
शोधार्थी, समाजशास्त्र
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय,रीवा (म.प्र.)
एवं
डॉ. महेश शुक्ला
प्राध्यापक, समाजशास्त्र
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय,
रीवा (म.प्र.)

सारांश

संचार मनुष्य की स्वाभाविक प्रवृत्ति है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। मनुष्य संचार की इस स्वाभाविक क्रिया का संचालन कभी स्वयं तो कभी समाज के साथ सम्बन्ध स्थापित करके सम्पादित करता है। अपने मन में चिन्तन-मनन करना, अपने से बात करना और अपने में खो जाना, अपने आप हँसना अथवा रोना-ये सब क्रियाएँ मानवीय संचार का एक स्वरूप है। मनुष्य स्वयं से हटकर परिवार के बीच भी संचार का प्रयोग करता है। परिवार के बाहर भी संचार-प्रक्रिया मनुष्य के जीवन में कई स्तरों पर व्यवहार में आती है। संचार के प्रत्येक परिवार स्तर का निरूपण ही संचार के वर्गीकरण का आधार है। संचार-विज्ञान एक सामाजिक विज्ञान है। इसके अध्ययन एवं विवेचन का आधार पूर्णतः सामाज ही है। समाज के जिन रूपों के साथ सम्पर्क स्थापित करके मनुष्य संचार करता है।प्रस्तुत अध्ययन में जनसंचार के विभिन्न माध्यमों का विश्लेषण किया गया है।

समाज वैज्ञानिकी अक्टूबर-मार्च 2022-23
अंक-35-36, ISSN 0973-4201
भारतीय समाज विज्ञान परिषद्